भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1969
06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

त्रिपुरा के धलाई में एम्स की स्थापना

1969. श्रीमती कृति देवी देबबर्मन:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार त्रिपुरा पूर्व लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के धलाई जिले में स्वास्थ्य सेवा की अवसंरचना में सुधार के लिए एम्स या इसी प्रकार के चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल की तत्काल आवश्यकता और बढ़ती मांग से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार राज्य में ऐसा संस्थान स्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या उक्त परियोजना के लिए कोई भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और यदि हां, तो अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के निर्माण और पूरा होने के लिए क्या समय-सीमा तय की गई है; और

(घ) सरकार द्वारा त्रिपुरा में, विशेष रूप से त्रिपुरा पूर्व लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित सुदूर और जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की अवसंरचना के विस्तार के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): "जन स्वास्थ्य और अस्पताल" राज्य का विषय है। तथापि, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को मंजूरी दी गई है, जिसमें गुवाहाटी में एक एम्स भी शामिल है जो कार्यशील है। इसके अलावा, विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए, पीएमएसएसवाई के एक अन्य घटक के तहत, केंद्र-राज्य लागत साझाकरण के आधार पर 150 करोड़ रुपये की अनुमोदित लागत (केंद्रीय हिस्सा-120 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा-30 करोड़ रुपये) के साथ अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज, अगरतला के उन्नयन को अनुमोदित किया गया है। इस

169 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में 7 विभाग अर्थात् कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी है। पीएमएसएसवाई के वर्तमान चरण में त्रिपुरा राज्य में एम्स की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम): केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) घटक के तहत, त्रिपुरा राज्य के लिए 7 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) और 1 क्रिटिकल केयर ब्लॉक (सीसीबी) की स्थापना के लिए योजना अवधि (वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26) के लिए 37.41 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत त्रिपुरा राज्य में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए अनुमोदित निधि निम्नानुसार है:

(*रुपये लाख में*)

2021-22	2022-23	2023-24	*2024-25*
4998.54	5149.70	4518.05	*9110.17*

*****